मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मंत्रालय, भोपाल

क्रमांक /तक./कृषि शाखि/यंत्रदूत/2014-15/642
प्रति,

भोपाल, दिनांक 5-4-2014

1. कृषि यंत्री / कार्यपालन यंत्री,
संभाग – ....(समस्त)
2. सहायक कृषि यंत्री,
उप संभाग – ....(समस्त)

विषय– दृष्टि पत्र 2018 एवं जन संकल्प 2013 के अन्तर्गत 1000 यंत्रदूत ग्रामों की स्थापना करने बाबत्।

0000

शासन द्वारा अपने दृष्टि पत्र 2018 के बिन्दु कमांक 1.ए.1.3.1 एवं जन संकल्प 2013 के बिन्दु कमांक 2.29 में आगामी 5 वर्षों में प्रदेश के 1000 ग्रामों को यंत्रदूत ग्रामों के रूप में विकसित करने का संकल्प सम्मिलित किया गया है। इस कार्यक्रम के कियान्वयन में निम्न बिंदुओ का विशेष रूप से ध्यान रखा जावेः–

1. **यंत्रदूत ग्राम की अवधारणा**
कृषि यंत्रीकरण के उपयोग से श्रम, समय एवं लागत की बचत होती है तथा उत्पादन में भी वृद्धि प्राप्त होती है। कृषि यंत्रीकरण की विभिन्न गतिविधियों से प्राप्त होने वाले लाभ को दर्शाने के लिये यंत्रदूत ग्राम योजना प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत चयनित ग्राम में यंत्रीकरण की विभिन्न गतिविधियॉ जो खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई तक संपादित की जाती है, व्यापक रूप से प्रदर्शित की जाती है, जिससे कृषक इन्हे आसानी से अपनाने के लिये तैयार हो जाते है। यंत्रदूत ग्राम में प्राप्त उत्पादन वृद्धि से आसपास के क्षेत्र के कृषक भी प्रभावित होते है तथा वे भी नई पद्धति को अपनाने के लिये प्रेरित होते है। इसी अवधारणा को ध्यान में रखते हुये यंत्रदूत ग्राम योजना प्रांरभ की गई है।

2. **यंत्रदूत योजना के लक्ष्य**
प्रदेश में आगामी 5 वर्षो में 1000 यंत्रदूत ग्राम विकसित किये जाना है। जिलेवार यंत्रदूत ग्रामो की वर्ष 2014–15 की संख्या संलग्न परिशिष्ट–1 में दर्शाई गई है। इस परिशिष्ट में जो ग्रामों की संख्या दर्शाई गई है उस अनुसार चयन की कार्ययोजना बनाई जाये। अगले 4 वर्ष की भी योजना बना लेवें।

3. **चयन का आधार**
यंत्रदूत ग्रामों का कलस्टर के आधार पर चयन किया जायेगा व प्रत्येक कलस्टर 3 से 4 ग्रामो का रहेगा। ग्रामों का चयन कृषि यंत्री एवं सहायक कृषि यंत्री द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा। ग्रामों के चयन में निम्न बिंदुओ का ध्यान रखा जाये :–
(क) – चयनित ग्राम में कृषि यंत्रीकरण की वर्तमान स्थिति, लघु सीमान्त कृषकों की संख्या आदि।
(ख) – विभिन्न फसलों का वर्तमान में उत्पादकता का स्तर।
(ग) – भविष्य में कृषि में तकनीकी समावेश की संभावना की स्थिति।

4. **विकास की रणनीति**
ग्राम में कृषि यंत्रीकरण से जुड़े विकास के कार्य को कृषि अभियांत्रिकी के अमले द्वारा किया जायेगा तथा कार्यकम अनुसार विभाग की मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी।

5. **चयनित ग्राम का सर्वेक्षण**
ग्राम का चयन करने के पश्चात कृषकवार आधारभूत सर्वे किया जायेगा, जिसमें कृषक के प्रत्येक रबी एवं खरीफ सत्र में वर्तमान उत्पादन व उत्पादकता के आकडे संकलित किये जायेगे तथा इन आंकडो को बैंचमार्क मानकर अगले वर्ष की उत्पादन व उत्पादकता वृद्धि बाबत लक्ष्य तय किये जाये। प्रत्येक ग्राम की जानकारी पुस्तक के रूप में प्रकाशित की जाकर सुरक्षित रखी जायेगी व अगले सत्र में इससे तुलना की जायेगी।

क्रमशः ....

6. **चयनित ग्राम में ली जाने वाली गतिविधियॉ**

प्रत्येक चयनित ग्राम में ली जाने वाली गतिविधियां निम्नानुसार रहेंगी :-

क.	गतिविधियॉ	संख्या	मापदण्ड *
1	कृषक संगोष्ठी	2 (एक खरीफ तथा एक रबी में)	आत्मा परियोजना के मापदण्ड अनुसार।
2	कृषक भ्रमण राज्य के अन्दर (20 कृषक, 3 दिवस) राज्य के बाहर (20 कृषक, 5 दिवस)	 1 1	आत्मा परियोजना के मापदण्ड अनुसार।
3	कृषक प्रशिक्षण (50 कृषक, 1 दिवस)	2 (एक खरीफ तथा एक रबी में)	आत्मा परियोजना के मापदण्ड अनुसार।
4	कृषि यंत्रों के प्रदर्शन **	100	भारत सरकार की प्रदर्शन, प्रशिक्षण तथा परीक्षण के जरिए कृषि यंत्रीकरण का प्रोत्साहन योजना के मापदण्ड अनुसार
5	प्रचार-प्रसार एवं अन्य प्रशासनिक व्यय (प्रिंटेड सामग्री, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, स्टेशनरी, फ्लेक्स, बोर्ड आदि)	अधिकतम रू. 50,000/- प्रति वर्ष	आत्मा परियोजना के मापदण्ड अनुसार।

* भारत सरकार द्वारा योजनाओं के मापदण्डों में परिवर्तन होने पर नवीन मापदण्ड प्रभावशील होंगे।

** मोल्ड बोर्ड प्लाऊ, रिवर्सिबल प्लाऊ, रोटावेटर, डिस्क हैरो, लेजर लैण्ड लेवलर, स्पाइरल सीड ग्रेडर, सीड ट्रीटिंग ड्रम, सीड-कम फर्टिलाइजर ड्रिल, जीरो टिलेज सीड ड्रिल, रेज्डबेड प्लांटर, मल्टीकाप प्लांटर, रिज फरो सीड-कम फर्टिलाईजर ड्रिल, हैप्पी सीडर, राईस ट्रान्सप्लांटर, पैडी ड्रम सीडर, ट्रेक्टर चलित स्प्रेयर, रीपर, रीपर कम बाइंडर, मल्टीकाप थ्रेशर, एक्सियल फ्लो पैडी थ्रेशर, स्ट्रा-रीपर, पैडी कम्बाईन हार्वेस्टर, स्ट्रा बेलर एवं स्ट्रा रेक, पावर टिलर, उन्नत हस्त एवं बैल चलित यंत्र आदि।

(मदन मोहन उपाध्याय)
अपर मुख्य सचिव,
सह कृषि उत्पादन आयुक्त
मध्यप्रदेश शासन

कमांक/तक./कृषि शाखि/पंचदूत/2014-15/643

भोपाल, दिनांक 5-4-14

प्रतिलिपिः-

1. प्रमुख सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
2. संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, म.प्र. भोपाल
3. संचालक, कृषि अभियांत्रिकी, मध्यप्रदेश, भोपाल।

अपर मुख्य सचिव,
सह कृषि उत्पादन आयुक्त
मध्यप्रदेश शासन

वर्ष 2014–15 में चयनित किये जाने वाले यंत्रदूत ग्रामों के जिलेवार लक्ष्य

क.	जिला	ग्रामों की संख्या
1.	भोपाल	6
2.	सीहोर	6
3.	रायसेन	6
4.	विदिशा	6
5	राजगढ़	0
भोपाल संभाग		**24**
6	होशंगाबाद	6
7	बैतूल	6
8	हरदा	0
नर्मदापुरम संभाग		**12**
9	उज्जैन	6
10	मंदसौर	3
11	नीमच	0
12	रतलाम	0
13	शाजापुर	0
14	आगर–मालवा	0
15	देवास	3
उज्जैन संभाग		**12**
16	इंदौर	3
17	धार	3
18	झाबुआ	6
19	अलीराजपुर	0
20	खरगौन	6
21	बड़वानी	0
22	बुरहानपुर	0
23	खंडवा	6
इन्दौर संभाग		**24**
24	ग्वालियर	6
25	शिवपुरी	6
26	अशोकनगर	3
27	गुना	3
28	दतिया	0
ग्वालियर संभाग		**18**
29	मुरैना	6
30	भिण्ड	6
31	श्योपुरकलां	0
चंबल संभाग		**12**
32	सागर	6
33	दमोह	7
34	पन्ना	6
35	टीकमगढ	6
36	छतरपुर	6
सागर संभाग		**31**
37	जबलपुर	6
38	कटनी	0
39	बालाघाट	6
40	छिदवाडा	6
41	सिवनी	6
42	मंडला	6
43	डिण्डोरी	0
44	नरसिंहपुर	6
जबलपुर संभाग		36
45	रीवा	6
46	सीधी	3
47	सिंगरौली	0
48	सतना	10
रीवा संभाग		**19**
49	शहडोल	6
50	उमरिया	6
51	अनूपपुर	0
	शहडोल संभाग	**12**
	महायोग	**200**